

ਵੀ.ਸੀ. ਨੇ ਕੈਪੇਸਿਟੀ ਬਿਲਡਿੰਗ ਪर ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਫੋਕਸ ਕਰਨੇ ਪਾਰ ਦਿਯਾ ਜੋਏ

ਗੋਹਾਨਾ, 13 ਫਰਵਰੀ (ਅਰੋਡਾ): ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ. ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਮੈਂ ਵਿਜਾਨ, ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ, ਆਯੁਰਵੇਦ ਔਰ ਹੋਟਲ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸੰਕਾਨ ਮੈਂ ਪੇਟੇਂਟ ਕੀ ਸੰਖਿਆ ਬढਾਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਤੱਤ ਤੈਤਾਰ ਕਰਨੇ ਪਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਫੋਕਸ ਰਹੇਗਾ।

ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਮੈਂ ਗੈਰ ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਗਠਨਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਅਨੁਸਂਧਾਨ ਪਰਿਯੋਜਨਾਓਂ ਕੀ ਬਢਾਵਾ ਦਿਯਾ ਜਾਏਗਾ। ਇਸ ਆਖਾਇ ਕਾ ਨਿਰਣ ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ ਸੁਦੇਸ਼ ਕੀ ਅਧਿਕਤਾ ਮੈਂ ਮੰਗਲਵਾਰ ਕੀ ਆਧੋਜਿਤ ਆਂਤਰਿਕ ਗੁਣ ਵਜ਼ਾ ਆ ਸ਼ਵਾਸ ਨ ਪ੍ਰਕਾਓਛ (ਆਈ.ਕ੍ਰੂ. ਏ.ਸੀ.) ਕੀ 5ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਮੈਂ ਲਿਆ ਗਿਆ।

ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਲੈਂਗਿਕ ਤੇਰਥ ਸਾਮਾਜਿਕ ਸੰਵੇਦੀਕਰਣ ਕੀ ਕ੍਷ੇਤਰ ਮੈਂ

ਅਗ੍ਰਣੀ ਬਨਾਨੇ ਕੀ ਲਿਏ ਆਵਾਅਕ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾਨੇ ਕੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਬਤਾਵਾ। ਤਨਾਂ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਸਮੁਦਾਯ ਕੀ ਨਵੀਨਤਮ ਵੈਖਿਕ ਜਾਨ ਰੂਝਾਨਾਂ ਤੇਰਥ ਸੂਚਨਾ-ਸੰਚਾਰ ਪ੍ਰੈਦ੍ਰਿਗਿਕੀ ਕੀ ਵਿਕਾਸ ਸੇ ਕਦਮਤਾਲ ਕਰਾਵੇ ਹੁਏ ਕੈਪੇਸਿਟੀ ਬਿਲਡਿੰਗ ਪਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਫੋਕਸ ਕਰਨਾ ਹੋਗਾ। ਵੀ.ਸੀ. ਨੇ ਸੱਫਟਸਿਕਲਸ ਤੇਰਥ ਸੰਚਾਰ ਕੌਣਸਲ ਬਢਾਨੇ ਕੀ ਲਿਏ ਨਿਯਮਿਤ ਕਾਰਘਕਮ ਆਧੋਜਿਤ ਕਿਏ ਜਾਨੇ ਕੀ ਆਵਾਅਕਤਾ ਪਾਰ ਭੀ ਬਲ ਦਿਯਾ।

ਆਈ.ਕ੍ਰੂ. ਏ.ਸੀ. ਸਦਸ਼ਾ, ਹਰਿਆਣਾ ਕੇਂਦ੍ਰੀਅ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਦੇ ਪ੍ਰੋ ਸੁਨੀਤਾ ਸ਼੍ਰੀਵਾਸਤਵ ਨੇ ਪਰਾਵਰਣ ਸੰਰਕਣ ਕੀ ਲਿਏ ਵਰਮਾ ਕੰਪੋਸਟ ਕੇਂਦ੍ਰ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰਨੇ ਕੀ ਸੁਝਾਵ ਦਿਯਾ। ਡੌਂ

ਯੋਗੇਂਦ੍ਰ ਮਲਿਕ ਨੇ ਵਿਭਿੰਨ ਵਿਭਾਗਾਂ ਵੇਂ ਸੰਸਥਾਓਂ ਕੀ ਪਰਾਮਰਸ਼ ਦੇ ਮਾਧਿਮ ਦੇ ਰਾਜਾਵ ਸੂਜਨ ਕੀ ਵਿਚਾਰ ਸਾਜ਼ਾ ਕਿਯਾ। ਔਦ੍ਯੋਗਿਕ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧਿ ਦੇ ਰੂਪ ਮੈਂ ਏਲ.ਪੀ.ਏਸ. ਬੋਸਾਰਡ ਸਮੂਹ, ਰੋਹਤਕ ਦੇ ਮੁਕੇਸ਼ ਸਿੰਹ ਨੇ ਔਦ੍ਯੋਗਿਕ ਇਕਾਇਆਂ ਦੇ ਸਾਥ ਰੇਨ ਵਾਟਰ ਹਾਊਸ਼ਟਿੰਗ ਅਪਨਾਨੇ ਕੀ ਬਾਤ ਕਹੀ।

ਆਈ.ਕ੍ਰੂ. ਏ.ਸੀ. ਦੇ ਨਿਦੇਸ਼ਕ ਪ੍ਰੋ ਅਸ਼ੋਕ ਵਰਮਾ ਨੇ ਬੈਠਕ ਦੇ ਏਜੰਡਾ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਤ ਕਿਯਾ। ਡੌਂ. ਸ਼ਾਲਿਨੀ ਨੇ ਬੈਠਕ ਦੇ ਸਮਨਵਾਨ ਕਿਯਾ। ਬੈਠਕ ਮੈਂ ਪ੍ਰੋ ਇਸ਼ਿਤਾ ਬੰਸਲ, ਪ੍ਰੋ ਸੁਰੋਂਦ੍ਰ ਮੌਰ, ਪ੍ਰੋ ਸ਼ਵੇਤਾ, ਪ੍ਰੋ ਰਵਿ ਭੂ਷ਣ, ਪ੍ਰੋ ਨੀਲਮ ਜੈਨ, ਪ੍ਰੋ ਵਿਜਯ ਨੇਹਰਾ, ਡੌਂ ਸੁਮਨ ਦਲਾਲ, ਵਿਤ ਅਧਿਕਾਰੀ ਰਵਿ ਦੱਤ, ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਨਿਯੰਤਰ ਡੌਂ ਸੰਦੀਪ ਦਹਿਆ ਤੇਰਥ ਛਾਤ੍ਰ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧਿ ਰਿਤੁ ਭੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੁਏ।



ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਦੇਸ਼ ਦੇਤੇ ਹੁਏ ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼।

(ਅਰੋਡਾ)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन पर व्याख्यान



हेलो रेवाड़ी संवाददाता रेवाड़ी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के दक्षिण हरियाणा में एकमात्र सरकारी गेजनल सेंटर गांव कृष्ण नगर में मांगलवार को ईंटिया गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी से कॉमर्स विभाग अध्यक्ष प्रो. तेज सिंह द्वारा गांधीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि गांधीय शिक्षा नीति 2020 अगले सत्र से सभी विश्वविद्यालयों में लागू होने जा रही है। जिसके लिए पाठ्यक्रम भी पूर्ण रूप से तैयार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रथम वर्ष में 52 क्रेडिट सार्टिफिकेट कोर्स के लिए 96 क्रेडिट द्वितीय वर्ष में डिप्लोमा हेतु और तृतीय वर्ष के लिए 132 क्रेडिट जो डिग्री के लिए होंगे तथा चौथे वर्ष ऑनसर्स (स्लिव बेस) डिग्री के लिए 180 क्रेडिट होंगे। इस प्रकार प्रोफेसर तेज सिंह ने अपने व्याख्यान के माध्यम से गांधीय शिक्षा नीति 2020 को किस प्रकार से विश्वविद्यालयों में लागू किया जाएगा इसकी पूर्ण आधारभूत संरचना को बहुत ही

रुचि कर ढंग से समझाया। जिसमें छात्राओं ने वाद विवाद किया जिससे समझने में आसानी रही। प्रोफेसर तेज सिंह ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के साथ-साथ तेजी से युवाओं के लिए रोजगार बढ़ेगा और 2027 तक भारतीय डिजिटाइजेशन से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था संसार में हम बनने जा रहे हैं। निदेशक प्रोफेसर बलबीर सिंह ने कहा कि नई गांधीय शिक्षा नीति और भारत का बढ़ता डिजिटाइजेशन से युवाओं को

स्टार्टअप बी रोजगार के अवसर मिलेंगे जो कि भारत को 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूर्ण करने में अहम योगदान होगा। यह व्याख्यान कॉमर्स विभाग से ऊंजली यादव व ऊंजलि प्रवक्ताओं द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर के लिए रोजगार बढ़ेगा और 2027 तक भारतीय डिजिटाइजेशन से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था संसार पर डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अनीता देवी, डॉ. रित्यादव, मुनीता यादव, डॉ. गकेश, डॉ. प्रदीप नीलम, सौनिया, प्रदीप, ज्योति, मुनीता, अंजु मधुबाला, निर्मला, सुशीला, बिपुल, आदि उपस्थित रहे।

को खों
में से
नों व
एम में
बनने यहां
ने के
णना
जाएं।

रत्नी
रत्नी

खानपुर कलां, गिरीश मनी (ऋषि की आवाज झूरो)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गौर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक में लिया गया।



कुलपति प्रो. सुदेश ने बैठक को संबोधित करते हुए सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रोत्तमाहित किए जाने की बात कही। उन्होंने विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बैठक में मंथन उपरांत महिला विश्वविद्यालय में जरूरी प्रशासनिक तथा शैक्षणिक पहल की जाएंगी। उन्होंने विश्वविद्यालय को लैंगिक कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

महिला विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए उठाएंगे आवश्यक कदम: कुलपति प्रो. सुदेश

लिए तयार करना है जा नस्वाथ भाव

उन्हान बताया का ब्राड डवाजन का

प्राथमक महायता म नपुण लाग का

द्य ड सुषमा गुसा न कहा के ब्राड

गा

टी.सी. ने कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करने पर दिया जोर

गोहाना, 13 फरवरी (असोङ्ग): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रखेगा।

विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुमध्यान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इस आशय का निर्णय बी.सी. प्रो. सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आ श्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की इच्छा बैठक में लिया गया।

बी.सी. प्रो. सुदेश ने लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में

अप्रणी बनाने के लिए आवश्यक

कदम उठाए जाने को जल्दी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय को नवीनतम वैश्विक जन रुझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमातल करते हुए कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा। बी.सी.

ने सॉफ्ट स्ट्रिक्ट्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो. अशोक चर्माने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आ श्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की इच्छा बैठक में लिया गया।

बी.सी. प्रो. सुदेश ने लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में

योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व

संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सूचन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एल.पी.एस. बोमाई समृद्ध, गोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ रेन वाटर हार्डस्ट्रिंग अपनाने की बात कही।

आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो. अशोक चर्माने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रो. इश्विता बंसल, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. स्वेता, प्रो. रवि भूषण, प्रो. नीलम जैन, प्रो. किल्य नेहरा, डॉ. सुमन दलाल, वित्त अधिकारी गवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दिह्या तथा छात्र प्रतिनिधि रितु भी शामिल हुए।



Welcome

पिरिमाजन संकायों में पेटेंट की संख्या बढ़ाने पर फोकस

गोहना। भवत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कला में विज्ञान, हैंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विवि में गौर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान

परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विवि की कुलपति प्रौ.

गोहना। महिला विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रौ. सुदेश।

फोटो : हरीभूमि



सुदेश की अध्यक्षता में गोलालवर आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की चर्चा बैठक में लिया गया। कुलपति ने बैठक को सम्बोधित करते हुए सीड मर्नी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रत्याहित करने, विवि की लैगिंग तथा सामाजिक संवेदीकरण के बीच में अव्याप्ति बनाने, विवि समुदाय को जटीजातम वैशिक ज्ञान सूझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपोसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करने, सॉफ्ट स्टिक्ट्स तथा संचार कौशल बढ़ाने पर बल दिया। आईक्यूएसी सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विवि से प्रौ. सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण सरकार के लिए महिला विवि में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने और आईक्यूएसी में स्थानीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. योगेंद्र मलिक ने राजस्व सूजन का विचार साझा किए। एलपीएस बोर्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर मानीकारी और ऐन वाटर हावेस्टिंग अपनाने की बात कही। निदेशक आईक्यूएसी, प्रौ. अशोक चर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रौ. इशिता बसल, प्रौ. सुरेंद्र मोर, प्रौ. श्वेता, प्रौ. रवि भूषण, प्रौ. नीलम जैन, प्रौ. विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि कृष्ण, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रीतु भी शामिल हुए।



महिला विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

गोहाना, 13 फरवरी (रामनिवास धीमान): गांव खानपुर कलां कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आर्युवेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश की अध्यक्षता में आज आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक में लिया गया। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए

प्रोत्साहित किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बैठक में मंथन उपरांत महिला विश्वविद्यालय में जरूरी प्रशासनिक तथा शैक्षणिक पहल की जाएंगी। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए महिला विश्वविद्यालय में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ. योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार सांझा किया। एलपीएस बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही। निदेशक आईक्यूएसी, प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया।

उनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देगा विवि
गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में मंगलवार को
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक हुई। इसमें
विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संछ्या बढ़ाने के
लिए तंत्र तैयार करने पर जोर दिया गया। साथ ही निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में
गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।
कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि विश्वविद्यालय को लैगिक व सामाजिक संवेदीकरण के
क्षेत्र में आपणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूर है। नरम व
संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में डॉ.
योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन
का विचार रखे। इस दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अशोक वर्मा, डॉ. शालिनी,
प्रो. ईश्ता बंसल, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. श्वेता, प्रो. गवि भूषण, प्रो. नीलम जैन, प्रो.
विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल व वित्त अधिकारी गवि दत्त मौजूद रहे। संवाद

प्लानिंग

• विधि में आंतरिक गुणवत्ता आैवासन प्रकोष्ठ की ५वीं बैठक में फैसला

आयुर्वेद च विज्ञान समिति अन्य संकाय में पेटेंट की संरेप्ता लालाने के लिए तंत्र तैयार करने पर फोकस

भास्कर नृज | गोहना

बीपीएस महिला विवि प्रशासन अपने परिसर में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा।

इसके साथ ही विवि में गैर-सरकारी संगठनों से ग्राप्ट



महिला विवि की आईब्यूएसी बैठक को संबोधित करती कुलपति प्रो. सुदेशा

अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।

विवि के प्रशासनिक अधिकारियों ने वह निर्णय मांगलवार को विवि परिसर में आयोजित हुई आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (आईब्यूएसी) की ५वीं बैठक में

लिया। बैठक की अध्यक्षता आवश्यक कदम उठाने को जरूरी जाएगा।

कुलपति प्रो. सुदेश ने की। प्रो. सुदेश ने सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने विवि को लैगिंग संरक्षण के लिए महिला विवि में आयोजित समाजिक संवेदीकरण के बर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया।

विवि ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से गजस्व सूजन पर विचार साझा किए। वहीं औद्योगिक प्रतिनिधि के तौर परमुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्डिस्टिंग अपनाने की जात कही। इस पाके पर आईब्यूएसी के निदेशक प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. इश्विता बंसल, प्रो. सुरेंद्र मार, प्रो. श्वेता, प्रो. गवि भूषण, प्रो. नीलम जैन, प्रो. विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल, वित अधिकारी गवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मर्दीप दहिया, छात्र प्रतिनिधि रितु समेत अन्य मार्के

पर मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति • महिला विवि प्रशासन बीएएसी नर्सिंग के अलावा आयुर्वेद में पीजी के नए कोर्स शुरू करेगा

बीपीएस महिला विवि में नए शैक्षणिक सत्र से लागू होगी 16 कोर्सों में नई शिक्षा नीति

मासिक न्यूज़ | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में आगामी शैक्षणिक सत्र में छात्राओं को नई शिक्षा नीति के साथ पढ़ाई करने के अलावा अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही छात्राओं को दो नए कोर्सों की सौगत भी मिलेगी। इसके लिए विवि प्रशासन जहाँ 16 कोर्सों में नई राष्ट्रीय शिक्षा लागू करेगा, बल्कि बीएएसी नर्सिंग के अलावा आयुर्वेद में पीजी के नए कोर्स चालू करेगा। इसके लेकर विवि प्रशासन द्वारा न केवल प्राव्यापकों को प्रशिक्षण देकर उनकी शक्ति दूर करने में लगा है, बल्कि अन्य प्रक्रिया पूरी करने के लिए भी तैयारियां की जा रही हैं।

खानपुर कलां गांव में संचालित बीपीएस महिला विवि में हर माल स्नातक, स्नातकोत्तर से लेकर पीएचडी तक करीब 3000 स्टॉटों पर दाखिल होते हैं। इनमें स्नातक के 16 कोर्स शामिल हैं। इन कोर्सों में हाल में पुनर्नी शिक्षा नीति अनुसार ही पढ़ाई हो रही है, लेकिन अब विवि प्रशासन ने नए शैक्षणिक सत्र में नई शिक्षा नीति को लागू करने का निर्णय लिया है। यह नीति विवि के साथ ही उससे संबंधित सभी कालेजों में लागू होगी।

3 हॉस्टल 3 मंजिला ही बनेंगे, प्रत्येक हॉस्टल में 480 छात्राओं के रहने सुविधा होगी, इन बिल्डिंगों के निर्माण पर 39 करोड़ खर्च होंगे



गोहाना भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय।

3 नए हॉस्टलों की भी मिलेगी सुविधा

विवि परिसर में 14 हॉस्टल बनाए गए थे, लेकिन फिल्हाल 11 में ही छात्राओं को सुविधा मिल पा सकी है। तीन हॉस्टलों को विवि प्रशासन ने कंडम घोषित करके बीते दिनों ही नियमित है। अब छात्राओं की अधिक संख्या होने के चलते विवि प्रशासन इन हॉस्टलों की बिल्डिंगों को बनाने की प्रक्रिया अन्ना रहा है। नए हॉस्टलों की बिल्डिंग तीन मंजिला बनाई जाएंगी। इनके ग्राउंड फ्लॉर पर स्कूली छात्राओं व ऊपरी मंजिलों पर बड़ी कक्षाओं की छात्राओं को रहने की सुविधा मिलेगी। तीनों हॉस्टल तीन मंजिल ही बनेंगे। प्रत्येक हॉस्टल में 480 छात्राओं के रहने सुविधा होगी। इन बिल्डिंगों के निर्माण पर 39 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

गुरुकुल की नई बिल्डिंग में शुरू दो नए कोर्स



महिला विवि प्रशासन बीपीएसी नर्सिंग व आयुर्वेद में पीजी को भी अगले शैक्षणिक सत्र में शुरू करेगा। दोनों कोर्स विवि के तहत भैमवाल कलां गांव में बने गुरुकुल में शुरू किए जाएंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने गुरुकुल परिसर में नई बिल्डिंग का निर्माण किया है। इसके अलावा दोनों कोर्स शुरू करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इन कोर्सों में दूर-दराज के साथ आमपास की छात्राएं भी दाखिला ले सकेंगी, उन्हें दूसरे जिलों का स्थान नहीं करना पड़ेगा।

2016 से महिला विश्वविद्यालय में सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने की चल रही है प्रक्रिया

बीपीएस महिला विवि में 2016 से चल रही सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने की प्रक्रिया जल्द ही पूरी होगी। इसके लिए विवि प्रशासन ने एजेंसी व संबंधित विभाग के बीच विवाद को सरकार से निवेदन करके सुलझा लिया है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग तो तैयार पहले से ही हो चुकी है, अब अंतिम कार्य बाकी है। विवि प्रशासन के अनुसार जल्द ही लाइब्रेरी का निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके बाद यहाँ सेंट्रल लाइब्रेरी में एक हजार छात्राओं को बैठकर पढ़ाई करने का सौगत मिलेगा। यही नई छात्राओं को किताबें पढ़ने के साथ ही बाई-फाई की सुविधा भी मिलेगी।

CITY AIR NEWS

DEDICATED TO LATE SHRI H.R. DHIMAN (JOURNALIST) STRAIGHT FORWARD



HOME NATION PUNJAB BUSINESS EDUCATION SPORTS LIFESTYLE ENTERTAINMENT OPINION ***



ADMISSION OPEN

SESSION 2024-2025

Pre-school to
Grade IX & XI



Home | Hindi News | महिला विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अप्रणी बनाने के लिए उदाहरण सरकार कुलपति प्रो सुदेश

Hindi News

महिला विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अप्रणी बनाने के लिए उठाएंगे आवश्यक कदम: कुलपति प्रो सुदेश

Girish Saini Feb 13, 2024 06:32

[Facebook](#) [Twitter](#) [In](#) [O](#) [P](#) [t](#) [e](#)



गानपुर काला, गिरिधंडा में बैठक को शोध के लिए भौतिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में विज्ञान, इंजीनियरिंग, अभ्युदय और होटल प्रबंधन सेवाएँ में योग्यता देने की दिशा में भी काम किया जाता। इस अवसर का फल यह है कि गानपुर की अवस्था में गंगलखरा का आयोग अंतिम गुणवत्ता आधासन प्रकार (आईएसओ) 5 वीं बैठक में दिया गया।

कुलपति प्रो सुदेश ने बैठक को संबोधित करते हुए सोच मरी के मामले से शिक्षकों को शोध के लिए भौतिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अप्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की बात की बात की बात। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि बैठक में मैन उत्तरांत महिला विश्वविद्यालय में वर्षनी प्रशासनिक तथा शीर्षकालीन पदों की जांची जाएगी। उसने लोक सिलसला तथा संघर्ष को लैस बढ़ाने के लिए नियमित कार्रवाई और जिजिक विषय की जांच की जावाबदाता पर भी बोला दिया।

अधिकारी प्रो सुदेश, हरियाणा केरिंग विश्वविद्यालय से प्रो सुरेता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संबंधी के लिए महिला विश्वविद्यालय में वर्षनी कंफ्रेंस केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। आईएसओ में वर्षनी प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में तो सोनी वरिकल ने विभिन्न विभागों व संस्कृतों को परामर्श देने के मामले से शराब सुनने का विचार साझा किया। औरोपियन प्रतिनिधि के रूप में एसीएस बोहाट संस्कृत, रोमान संस्कृत से मुकेश रिहे जैसे औरोपियन इकाईयों के साथ सीरीसारा भागीदारी और रेन गवर वार्सिटी अनुनान की बात कही।

निदेशक अवैष्याएं, प्रो अप्लेक रामी ने बैठक का एलेना प्रस्तुत किया। डॉ. यालिनी ने बैठक का सम्बन्धित किया तथा प्राप्ति में विदेशी बैठक पर की ई नवाचारी की ऐपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में प्रो ईश्वरी बर्तन, प्रो सुरेता मोहन शर्मा, प्रो ईश्वरी प्रसाद, प्रो ईश्वरी प्रसाद, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुनन दत्तात्रे, वित्त अधिकारी रंजी दास, परीका नियोगी डॉ अंशु देहिंग तथा कांत प्रसादिपि रीटि भी शामिल थे।

Tags: Women's University gender and social sensitization Vice Chancellor Prof. Sudesh

◀ PREVIOUS ARTICLE NEXT ARTICLE ▶
37वें दूसरे पूर्णवार्षिकी नाय वेस्ट लोन पूर्ष कोटिवार्ड नी रोपाई नियोगी द्वारा बनाई गई... राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता विविध आयोगों

RELATED POSTS

भारत की पिर से विश्व गुरु बनाने के लिए युकांओ का कोणालमुकुल...

एसीएस अनंद मोहन शर्मा ने प्रमुखीय में वर्षनीप्रतिनिधि द्वारा दिया गया...

नर्सिंग विद्यालयिके व्यावहारिक प्रशिक्षण इन्सीशन...

COMMENTS

Name

Name

Email

Email

Comment

Comment

Post Comment

RANDOM POSTS

रामगढ़ विश्वविद्यालय की विभाग और उत्तर प्रदेश के बुगार

गोंडा का दर्जन करने पर आवार्ड बंदरगाह

Thinnest range of chips 'Lay's Wafer Style' launched

Numeric redefines standards in single-phase UPS with launch...

SOCIAL MEDIA

[f](#) [t](#) [p](#) [in](#) [o](#)

Subscribe here to get interesting stuff and updates!

Email Address

Subscribe

Terms & Conditions Privacy Policy

पेटेंट की संख्या बढ़ाने पर बी.पी.एस. का रहेगा फोकस



गोहाना मद्रिका, 13 फरवरी : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में वैज्ञान, इंजीनियरिंग, आयर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इस आशय का निर्णय बी.सी. प्रो सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की 5वीं बैठक में लिया गया।

बी.सी. प्रो सुदेश ने लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय को नवीनतम वैश्विक ज्ञान रूझानों तथा सचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैर्पेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा। बी.सी. ने सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आई.क्यू.ए.सी. सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रो सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सूजन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एल.पी.एस. बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ रेन वाटर हार्वेस्टिंग

अपनाने की बात कही।

आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एंजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रौ इप्शिता बंसल, प्रो सुरेंद्र मोर, प्रो श्वेता, प्रो रवि भूषण, प्रो नीलम जैन, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रितु भी शामिल हुए।

D.B.M. PUBLIC SCHOOL

7th milestone, Meham Road, Madina, Gohana

9254555600, 8910556098

We invite applications

for the Academic Year

2024-25



**ADMISSION
OPEN
FOR SESSION
2024-25**

- ◆ PGT- All Subjects
- ◆ TGT- All Subjects
- ◆ PRT & NTT, Accountant
- ◆ Music Teacher
- ◆ Dance Teacher ◆ Coaches

Walk in interview
with all documents
11am to 2pm

Salary no bar
for deserving
candidates